राजस्थान किसानों को दिन में बिजली देने के लिये महाराष्ट्र मॉडल अपनायेगा

ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री शिंदे से इस बारे में चर्चा की

- महाराष्ट्र में सिंचाई के पम्पों को सोलर पम्प में बदलने से किसानों को सिंचाई के लिये दिन में बिजली मिलने लगी।
- राजस्थान के ऊर्जा विभाग के अधिकारी महाराष्ट्र मॉडल का अध्ययन करके राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप नीति बनायेंगे।

जयपुर, 28 जनवरी (का.सं.)। सौर ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देकर किसानों को दिन में बिजली आपूर्ति करने तथा विद्युत वितरण तंत्र में सुधार की दिशा में राजस्थान, महाराष्ट्र के मॉडल को अपनाएगा। इस संबंध में ऊर्जा विभाग के अधिकारियों का दल जल्द ही महाराष्ट्र का दौरा कर वहां की सरकार द्वारा इस दिशा में किए गए नीतिगत बदलावों तथा इनके माध्यम से आए सफल परिणामों का अध्ययन करेगा तथा राजस्थान की भौगोलिक परिस्थितियों के अनुरूप इन्हें यहां लागू करने के संबंध में रणनीति तैयार करेगा।

प्रदेश के ऊर्जा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) हीरालाल नागर ने इस संबंध में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे से मुम्बई में मुलाकात की। मुलाकात के समय महाराष्ट्र सरकार की प्रमुख शासन सचिव ऊर्जाआभा शुक्ला भी मौजूद थी। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं नागर ने बीते दिनों दिल्ली में केन्द्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री आर. के. सिंह से मुलाकात की थी। सिंह ने उन्हें ऊर्जा के पारंपरिक स्त्रोतों पर निर्भरता को कम करने की दिशा में महाराष्ट्र सरकार के मॉडल को अपनाने का सुझाव दिया था।

मुलाकात के दौरान शिंदे ने बताया कि, राज्य में ग्रीन एनर्जी को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अब तक परंपरागत ऊर्जा के स्त्रोतों से चल रहे सिंचाई पंपों को बड़ी संख्या में सोलर पंपों में बदला जा रहा है।

सौर ऊर्जा संचालित पंपों का उपयोग बढ़ाने की महाराष्ट्र सरकार की इस मुहिम से किसानों को सिंचाई कार्य के लिए दिन में भी बिजली मिल रही है। इससे प्रदूषण को कम करने में भी मदद मिली है। इतना ही नहीं, किसान सोलर पैनल के माध्यम से उत्पादित अतिरिक्त बिजली को सरकारी या निजी बिजली कंपनी को बेचकर लाभ भी कमा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि, महाराष्ट्र कृषि को सौर ऊर्जा में शिफ्ट करने की पहल करने वाला देश का अग्रणी राज्य है। शिंदे ने ऊर्जा मंत्री को बताया कि राज्य में सोलर एनर्जी के क्षेत्र में निवेशकों (बिडर) के लिए सरकारी भूमि की उपलब्धता को सुनिश्चित किया गया है। पीएम कुसुम योजना के माध्यम से महाराष्ट्र में सिवायचक, बंजर, सरकारी कार्यालयों तथा कृषि भूमि का एक लैंड बैंक तैयार किया गया है। इससे सौर ऊर्जा प्रोजेक्ट के लिए भूमि की उपलब्धता पहले से ही सुनिश्चित होने, अनापत्तियां लेने में तथा ऑनलाइन टेंडर की प्रक्रिया को सुगम बनाने जैसे कई नीतिगत बदलाव किए गए हैं। इनका नतीजा यह रहा कि वहां सौर ऊर्जा के 4 से 5 हजार मेगावाट के नए प्रोजेक्टों के लिए कम दरों पर बोली प्राप्त करने में सफलता मिलने की उम्मीद है।

उल्लेखनीय है कि, प्रधानमंत्री कुसुम योजना के क्रियान्वयन में महाराष्ट्र देश के अग्रणी राज्यों में है। केंद्रीय नवीन और नवीकरणीय ऊर्जा मंत्रालय ने 31 अक्टूबर 2023 तक राज्यों में 9 लाख 46 हजार से अधिक सौर ऊर्जा पंप लगाने को मंजूरी दी थी। जिसमें से 2 लाख 72 हजार 916 से अधिक सौर ऊर्जा पंप लगाए जा चुके हैं। इनमें से 71 हजार 958 सौर पंप अकेले महाराष्ट्र में लगाए गये हैं।

हेमन्त सोरेन को प्रताड़ित करने के विरोध में पैदल मार्च

रांची, 28 जनवरी। केंद्र सरकार और भाजपा पर केंद्रीय जांच एजेंसियों का दुरुपयोग करने और झारखंड सरकार एवं मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को प्रताड़ित करने के विरोध में झारखंड मुक्ति मोर्चा ने आज यहां पैदल मार्च निकाला। यह पैदल मार्च रांची के मोरहाबादी मैदान से चलकर राजभवन पहुंचा। हालांकि झामुमो कार्यकर्ताओं और नेताओं को राजभवन से पहले ही बैरीकेड लगाकर रोक दिया गया। राजभवन के बाहर भारी संख्या में पुलिस बलों की तैनाती की गयी। कार्यकर्ता और नेताओं ने कहा कि, केंद्र सरकार साजिश के तहत हेमंत सोरेन सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है। राज्य सरकार विकास का काम कर

- झारखण्ड मुक्ति मोर्चा ने कहा कि, केन्द्र सरकार हेमन्त सोरेन सरकार को अस्थिर करने का प्रयास कर रही है।

रही है। लेकिन भाजपा को यह हजम नहीं हो रहा है। केंद्र सरकार मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन पर निशाना साधा रही है। लेकिन पार्टी के नेता और कार्यकर्ता केंद्र के इस रवैये को बर्दाश्त नहीं करेंगे। केंद्र और भाजपा अगर मुख्यमंत्री को परेशान करना बंद नहीं करते हैं तो आने वाले चुनाव में भाजपा को सत्ता से उखाड़ फेकेंगे। नेता-कार्यकर्ताओं ने कहा कि, पार्टी के नेता कार्यकर्ता हर दिन धरना प्रदर्शन करेंगे। इस मार्च में रांची, लोहरदगा, गुमला सहित अन्य जिलों के झामुमो कार्यकर्ता और नेता शामिल हुए है। इसमें गुमला के विधायक भूषण तिर्कि भी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि, इससे पहले झामुमो कार्यकर्ताओं ने शनिवार को जयपाल सिंह मुंडा स्टेडियम से अल्बर्ट एक्का चौक तक मशाल जुलूस निकाला था।

कोई अंदाजा नहीं लगा पाया भाजपा के उप मुख्यमंत्रियों के चयन का

- नीतीश के साथ तालमेल के नाम पर सुशील मोदी तथा पहले उप मुख्यमंत्री रहीं रेणु देवी का नाम भाजपा में सबसे ऊपर चल रहा था। पर पार्टी ने नया आदमी लेने की अपनी नीति को बिहार में चलाकर सबको चौंका दिया।

पटना, 28 जनवरी। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार को अपने पाले में लाकर आगामी लोकसभा चुनाव में बिहार की अधिकतम संसदीय सीटें जीतने की तैयारी तो कर ली है, वहीं सम्राट चौधरी और विजय सिन्हा को उप मुख्यमंत्री बनाकर सबको चौंका भी दिया है।

माना जा रहा था कि, कार्यवाहक मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से बेहतर तालमेल बनाये रखने में माहिर भाजपा के राज्यसभा सांसद सुशील कुमार मोदी उप मुख्यमंत्री की रेस में सबसे आगे हैं। साथ ही भाजपा कोटे से, पूर्व में बिहार की उप मुखमंत्री रह चुकी रेणु देवी को एक बार फिर से यह जिम्मेवारी सौंपी जा सकती है। लेकिन, भाजपा ने अपने चिर-परिचित अंदाज़ में एक बार फिर आम धारणा को गलत साबित करते हुए अपने ऐसे दो सिपाहियों को उप मुख्यमंत्री पद की ज़िम्मेवारी सौंपी है, जिसकी राजनीतिक गलियारे में कोई खास चर्चा तक नहीं थी।

प्रदेश में पिछले दस दिनों से जारी राजनीतिक घमासान के बीच रविवार सुबह भाजपा की बैठक के बाद उप मुख्यमंत्री पद की जिम्मेवारी चौधरी और सिन्हा को दिए जाने को लेकर तस्वीर साफ हो गई। भाजपा ने चौधरी को पार्टी विधायक दल का नेता और सिन्हा को उपनेता भी चुन लिया।

इसके बाद चौधरी ने कहा, "मेरे लिए यह अत्यंत भावुक क्षण है कि आज मुझे विधायक दल का नेता चुना गया है।" उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, पार्टी नेतृत्व और विधायकों को धन्यवाद देते हुए कहा कि, बिहार के विकास और राष्ट्रीय जनता दल (राजद) अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव का आतंक समाप्त करने के लिए वर्ष 2020 के विधानसभा चुनाव में जो जनमत मिला उसको फिर से राजग सरकार के रूप में स्थापित किया गया है।

चौधरी ने कहा कि, महागठबंधन सरकार के समय बिहार में फिर से जंगलराज बढ़ने लगा था। इसे रोकने के लिए जब नीतीश कुमार की ओर से प्रस्ताव आया तो भाजपा के सभी सदस्यों ने समर्थन देने का निर्णय लिया।

ई.आर.सी.पी. पर केन्द्र, राजस्थान ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

होने से किसानों की आय बढ़ेगी और रोजगार के अवसर भी सृजित होंगे। साथ ही, ईआरसीपी के तहत आने वाले क्षेत्रों में औद्योगिक आवश्यकताओं के लिए भी पानी उपलब्ध हो सकेगा।

शर्मा ने कहा कि राजस्थान की पूर्ववर्ती सरकार ने रिफाइनरी और ईआरसीपी जैसी परियोजनाओं को पूरा करने की जगह अटकाने का काम किया है। इससे प्रदेश की जनता इन परियोजनाओं के लाभ से अब तक वंचित रही है। 2016-17 में तत्कालीन राज्य सरकार ने इस परियोजना की शुरूआत की थी। पिछले पांच सालों में इस परियोजना में सिर्फ खानापूर्ति की गई है।

इससे पहले सुबह मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव व मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के बीच जयपुर स्थित मुख्यमंत्री आवास पर चर्चा की गई। उसके बाद दोनों मुख्यमंत्री दिल्ली के लिए रवाना हुए। एम.ओ.यू. साईन होने के दौरान मीडिया को संबोधित करते हुए केंद्रीय जल शक्ति मंत्री गजेन्द्र सिंह शेखावत ने कहा कि इस योजना से राजस्थान और मध्यप्रदेश के 13-13 जिलों में पानी की जो गंभीर समस्या थी, उससे समाधान मिलेगा। हम विकास को लेकर प्रतिस्पर्धी हैं और हम प्रत्येक घर तक पानी पहुंचाने को लेकर संकल्पित हैं। दोनों राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने मुझे आश्वासन दिया था कि जिस दिन हम साथ बैठेंगे इस मामले का हल निकाल लेंगे और आज वह घड़ी आ गई।

दोनों राज्यों के बीच एम.ओ.यू. साईन होने के बाद दोनों मुख्यमंत्रियों ने इसे राजस्थान और मध्य प्रदेश के लिए फायदेमंद बताया। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सी.पी. जोशी ने एम.ओ.यू. साईन होने पर पीएम मोदी की दृढ़ इच्छाशक्ति और उनकी गारंटियों की सराहना करते हुए प्रदेश की जनता को बधाई दी। वहीं कृषि एंव ग्रामीण विकास मंत्री डॉ. किरोड़ीलाल मीना ने प्रदेश की जनता को ई.आर.सी.पी. योजना का एम.ओ.यू. साईन होने पर बधाई दी है। एमओयू पर हस्ताक्षर होने के बाद आज शाम भाजपा प्रदेश कार्यालय पर जल संसाधन मंत्री सुरेश रावत और जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी के नेतृत्व में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा मिठाई बांटकर और आतिशबाजी कर खुशी जताई गई।

जनस्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री कन्हैयालाल चौधरी ने कहा कि जल ही जीवन है विशेष रूप से राजस्थान जैसे प्रदेश में जहां भूभाग के हिसाब से जल का अभाव है। विगत 6 साल से कांग्रेस ने इस योजना को अटका रखा था। हम देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के आभारी हैं जिन्होने यह भागीरथी प्रयास किया और सफल हुए।

गौरतलब है कि केन्द्र सरकार द्वारा 13 दिसम्बर 2022 को पार्वती-कालीसिंध-चम्बल लिंक परियोजना को ईआरसीपी के साथ एकीकृत करने के प्रस्ताव को प्राथमिकता वाली लिंक परियोजना हेतु अनुमोदन किया गया। एमओयू के अनुसार पूर्वी राजस्थान नहर परियोजना में सम्मिलित रामगढ बैराज, महलपुर बैराज, नवनैरा बैराज, मेज बैराज, राठौड बैराज, डूंगरी बांध, रामगढ बैराज से डूंगरी बांध तक फीडर तंत्र, ईसरदा बांध का क्षमता वर्धन एवं पूर्वनिर्मित 26 बांधों का पुनरूद्धार किया जाएगा।

भाजपा में आने के 7 साल में ही उप मुख्यमंत्री बने सम्राट चौधरी

पटना, 28 जनवरी। वंशवाद और परिवारवाद से परे की राजनीति का दावा करने वाली भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सम्राट चौधरी को पार्टी के साथ महज सात साल के छोटे सफर में ही बिहार का उप मुख्यमंत्री बनाकर उनकी पगड़ी का मान बढ़ा दिया है।

बताया जा रहा है कि, वर्ष 2022 में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) से नाता तोड़ राष्ट्रीय जनता दल (राजद) नीत महागठबंधन में शामिल हो कर सरकार बनाने के बाद सम्राट चौधरी ने प्रण लिया था कि "नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री की कुर्सी से उतारने के बाद ही वह अपनी पगड़ी खोलेंगे।" बिहार में सियासी हालात ऐसे बने कि नीतीश कुमार को कुर्सी छोड़नी पड़ी और फिर एक नये समझौते के साथ उनकी (कुमार) अगुवाई में सरकार बनी तब भाजपा ने सम्राट चौधरी की आन-बान को कम नहीं होने दिया और उन्हें उप मुख्यमंत्री की कुर्सी पर बैठाकर उनकी "पगड़ी" का मान और बढ़ा दिया।

तन सिंह जन्म शताब्दी समारोह में भारी संख्या में राजपूत दिल्ली में एकत्रित हुए

- जवाहर लाल स्टेडियम पर आयोजित सम्मेलन में राजस्थान, एन.सी.आर., हरियाणा, उत्तर प्रदेश के अलावा गुजरात, महाराष्ट्र, कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्र प्रदेश, तमिलनाडू आदि राज्यों से भी राजपूत बड़ी संख्या में आये।
- तन सिंह द्वारा 1946 में स्थापित श्री क्षत्रिय युवक संघ राजपूत समाज में जागृति तथा समाज सुधार के उल्लेखनीय कार्य कर रहा है, जिसकी पूरे देश में सराहना की जाती है।

जयपुर, 28 जनवरी (का.सं.)। श्री क्षत्रीय युवक संघ द्वारा अपने संस्थापक पूज्य तनसिंह जी की 100वीं जयंती को भव्य रूप में रविवार को दिल्ली के जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में मनाया गया। यह देश की राजधानी में होने वाला राजपूतों का अब तक का सबसे बड़ा सम्मेलन रहा, जिसमें देश भर से बड़ी संख्या में राजपूत तनसिंह के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने और सामाजिक एकता का संदेश देने के लिए जुटे। श्री क्षत्रीय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह रोलसाहबसर और संघ प्रमुख लक्ष्मण सिंह के सान्निध्य में आयोजित हुए इस कार्यक्रम में देश भर से राजपूत समाज के राजनेता, अधिकारी, उद्योगपति, धार्मिक और सामाजिक व्यक्तित्व और अनेकों प्रतिष्ठित व्यक्ति इस शामिल हुए। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं की भी उपस्थित रही। दिल्ली शहर और एनसीआर क्षेत्र में रहने वाले राजपूतों के साथ ही हरियाणा और उत्तरप्रदेश के राजपूत भी प्रमुखता से कार्यक्रम में शामिल हुए। राजस्थान से भी कार्यक्रम में पहुंचने के लिए 16 विशेष ट्रेन बुक की गई। गुजरात और महाराष्ट्र से भी ट्रेन और बसों से बड़ी संख्या में राजपूत कार्यक्रम में शामिल हुए। दक्षिण भारत के कर्नाटक, तेलंगाना, आंध्रप्रदेश, तमिलनाडु जैसे राज्यों से भी लोग इस समारोह का हिस्सा बनने के लिए आए।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए श्री क्षत्रीय युवक संघ के संरक्षक भगवान सिंह रोलसाहबसर ने कहा कि तनसिंह ने समाज की सेवा के माध्यम से जीवन के परम लक्ष्य को प्राप्त करने का मार्ग श्री क्षत्रीय युवक संघ के रूप में दिया। त्याग, तपस्या और संयम का यह मार्ग मुश्किल जरूर है लेकिन समाज में वास्तविक परिवर्तन इसी से आ सकता है। तनसिंह द्वारा स्थापित यह संगठन पिछले 77 वर्षों से निरंतर आगे बढ़ रहा है। संघ का मूल कार्य शाखा और शिविरों के माध्यम से युवा पीढ़ी में क्षत्रीयोचित संस्कारों का निर्माण करना है।

श्री प्रताप फाउंडेशन के संयोजक महावीर सिंह सरवड़ी ने कहा कि, राजपूत समाज पर आज चारो ओर से आक्रमण हो रहे हैं। हमारे उज्ज्वल इतिहास को बिगाड़ने और विकृत करने के प्रयास हो रहे हैं और इन प्रयासों को अपने स्वार्थ पूरे करने के लिए राजनेताओं का समर्थन भी मिल रहा है। राजनीति, प्रशासन सहित सभी क्षेत्रों में राजपूत समाज को उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पा रहा है। मीडिया, सिनेमा आदि राजपूत समाज के प्रति दुष्प्रचार में भी संलिप्त हो रहे हैं। ऐसी अनेक समस्याएं हैं लेकिन इन सभी समस्याओं का समाधान तभी हो सकता है जब हम संगठित हों।

श्री क्षत्रीय युवक संघ के संघ प्रमुख लक्ष्मण सिंह बैण्याकाबास ने कहा कि, आज का यह सम्मेलन हमारी एकता और अनुशासन का ज्वलंत प्रमाण है। यह हमारी सामर्थ्य और संकल्प का संदेश है जो पूरा देश आज सुन रहा है। यह समाज में सुख, शांति और समृद्धि लाने के लिए अपने आप को निखारने और समाज की सेवा में नियोजित होने का प्रशिक्षण देता है। तनसिंह की सुपुत्री और संघ की वरिष्ठ स्वयंसेविका जागृति बा हरदासकाबास ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया और बताया कि नारी मां के रूप में संतान के व्यक्तित्व का निर्माण करती है, इसलिए उसका संस्कारित होना आवश्यक है।

उल्लेखनीय है कि दो बार विधायक और दो बार सांसद रहे तनसिंह ने सिर्फ 22 वर्ष की उम्र में श्री क्षत्रीय युवक संघ की स्थापना राजपूत युवकों में क्षत्रीयोचित संस्कारों के निर्माण के लिए 22 दिसंबर 1946 को की थी। श्री क्षत्रीय युवक संघ प्रतिवर्ष सैकड़ों प्रशिक्षण शिविर आयोजित करता है जिनमें समाज की युवा पीढ़ी को गीता में भगवान श्री कृष्ण द्वारा बताए गए क्षत्रीय के गुणों को जीवन में उतारने का अभ्यास कराया जाता है। बालकों और बालिकाओं के लिए अलग अलग लगने वाले ये शिविर चार, सात और ग्यारह दिनों के होते हैं और भीड़ भाड़ से दूर एकांत स्थानों में आयोजित होते हैं। 22 दिसंबर 2021 को श्री क्षत्रीय युवक संघ के 75 वर्ष पूरे होने पर जयपुर के भवानी निकेतन में हीरक जयंती भी मनाई गई थी जिसमें लाखों की संख्या में राजपूत इकट्ठा हुए और इस कार्यक्रम की भव्यता और अनुशासन देश विदेश में चर्चा के विषय बने।

'राहुल भारत ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

हम सब लोग उस रथ के ऊपर बैठे हैं। उन्होंने दावा करते हुए कहा कि, आगामी लोकसभा चुनाव में भाजपा और उसके सहयोगी दल 400 से अधिक सीटों पर विजय हासिल कर फिर से सरकार बनाएंगे।

अठावले ने केंद्र सरकार की उपलब्धियों को गिनाया और कहा कि अयोध्या में भव्य राम मंदिर की परिकल्पना प्रधानमंत्री मोदी, भाजपा और राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सकारात्मक सोच की वजह से साकार हुयी है और मंदिर में रामलला भी विराजमान हो गए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि, कांग्रेस ने राम मंदिर निर्माण में बाधा डालने का काम किया था और उसके नेताओं ने मंदिर प्राण प्रतिष्ठा कार्यक्रम का आमंत्रण ही ठुकरा दिया।

एक परिवार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ने बताया कि, अजय गुप्ता नामक व्यक्ति के घर में आग लगी, उसके घर में बाहर से ताला लगा हुआ था। आग में जलने वाले सभी लोग घर के अंदर थे। घटना गंभीर है पुलिस घटना की गंभीरता से जाँच कर रही है।

उन्होंने बताया कि, जिन्दा जल कर मरने वालों में अजय गुप्ता उर्फ़ टिंकल (38), पत्नी अनीता (36), बेटा दिव्यांश (09), बेटी दिव्यांका (06) और बेटा दक्ष (03) साल का है। पांचों परिजन एक ही कमरे में सो रहे थे।

नीतीश कुमार ने नौवीं बार ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

प्रधानमंत्री पद का उम्मीदवार घोषित करने के बाद भाजपा के साथ 17 साल पुराना गठबंधन तोड़कर वर्ष 2014 का लोकसभा चुनाव अकेले लड़ा और वर्ष 2015 का बिहार विधानसभा चुनाव राजद के साथ गठबंधन में लड़ा था।

वर्ष 2017 में राजद पर भ्रष्टाचार और राज्य में शासन का गला घोंटने का आरोप लगाते हुए नीतीश कुमार फिर से राजग में लौट आए और इसी गठबंधन में रहकर वर्ष 2019 का लोकसभा चुनाव और 2020 का बिहार विधानसभा चुनाव लड़ा। उन्होंने वर्ष 2022 में फिर से, भाजपा पर उनके खिलाफ साजिश रचने और जद (यू) विधायकों को उनके खिलाफ विद्रोह करने के लिए उकसाने का आरोप लगाते हुए राजग का साथ छोड़ दिया और राज्य में राजद, कांग्रेस और वाम दलों के साथ महागठबंधन की सरकार बनाई।

इससे पहले नीतीश कुमार ने वर्ष 1996 में जॉर्ज फर्नांडिस के साथ समता पार्टी की स्थापना की और इसके दो साल के भीतर भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन में शामिल हो गए और अटल बिहार वाजपेयी के नेतृत्व वाली राजग सरकार में मंत्री बनाए गए। इसी तरह वर्ष 2003 में शरद यादव से अलग होने के बाद लालू प्रसाद यादव ने राजद का गठन किया तो नीतीश कुमार ने समता पार्टी का जनता दल में विलय कर दिया और नई पार्टी का नाम जनता दल यूनाइटेड रखा।

ग़ौरतलब है कि वर्ष 1974 के छात्र आंदोलन के बाद से राजनीति में सक्रिय रहे कुमार ने वर्ष 1990 में लालू प्रसाद यादव को बिहार का मुख्यमंत्री बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

क्या भाजपा को भव्य...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिकतर, दक्षिण भारत धर्मनिरपेक्षता में विश्वास करता है तथा धर्मनिरपेक्ष समन्वय के अनेक उदाहरण हैं। यहाँ यह याद रखने की बात है कि, गत कर्नाटक विधानसभा चुनाव में बजरंग बली के नाम पर धार्मिक मुद्दा उठाने के भाजपा के प्रयास उल्टे पड़े थे। इस पृष्ठभूमि में यह अनुमान लगाना गलत नहीं होगा कि, लोकसभा चुनावों में भी दक्षिण भारतीय राज्यों में भाजपा को इसी प्रकार का खतरा होगा।

दक्षिण भारत की जनता के दिलो-दिमाग में, कई अन्य देवता हैं, जो भगवान राम से अधिक नहीं तो बराबर पूजे जाते हैं, इसके बावजूद कि, यहाँ के आम नागरिक भगवान राम को एक आदर्श के रूप में पूजते हैं।

मतदाताओं का एक छोटा वर्ग, जो अधिकतर ब्राह्मण है, के अलावा भाजपा के लिए, भगवान राम के नाम पर आम जनता को अपने पक्ष में करना मुश्किल हो रहा है। यह सच है कि भाजपा, उसके अग्रिम संगठनों तथा अन्य हिन्दूवादी पाटियों ने लोगों को उत्साहित व एकत्रित करने का भरपूर प्रयास किया है। जैसा तेलंगाना, आंध्र, तमिलनाडु, कर्नाटक और केरल में देखा गया तथा इस सब का एक ही संदेश था कि, भाजपा हिन्दू समुदाय की इच्छाओं को पूरा करने व राम मंदिर बनाने में सफल रही है।

हाँ, आम जन भाजपा को यह श्रेय देने को तैयार है, पर, क्या वे केवल इसके आधार पर मतदान करेंगे? हैदराबाद के एच. वागीसन जैसे राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि, इस बात में संदेह है। उनका मानना है कि, भाजपा के लिए इसे वोटों में बदल कर सीटें जीतना मुश्किल होगा, क्योंकि कांग्रेस व क्षेत्रीय दल यहाँ प्रभावी हैं।

तेलंगाना में हाल में हुए विधानसभा चुनाव एक संकेत हो सकते हैं। यहाँ भाजपा ने अपने चुनाव घोषणा पत्र में राम मंदिर का उल्लेख किया था तथा उसके नेताओं ने अपने चुनाव अभियान में इस पर प्रमुखता से बोला था। लेकिन, भाजपा, जो एक समय मुख्य प्रतिद्वंदी नज़र आ रही थी, को यह स्थान कांग्रेस के लिए छोड़ना पड़ा और वह तीसरे स्थान पर तथा दौड़ के बाहर रही। आंध्र प्रदेश में भाजपा फिलहाल कहीं नहीं है तथा यदि वह कुछ लाभदायक गठबंधन कर लेती है, तब ही इसकी संभावना हो सकती है।

तमिलनाडु और केरल में भी भाजपा की स्थिति बहुत अच्छी नहीं है। कर्नाटक में भी वह 2019 का प्रदर्शन वापस देती नज़र नहीं आती। जहाँ भाजपा ने 28 में से दो को छोड़ कर बाकी सभी सीटें जीती थीं।

आदम खोर...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

आखिरकार वन विभाग की योजना काम आयी और रात लगभग तीन बजे बाघ पिंजरे में कैद हो गया। इसके बाद बाघ को ट्रैंकुलाइज़ करके जांच के लिए ढेला रेस्क्यू सेंटर भेज दिया गया।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- जी 1/63, इन्डस्ट्रीयल एरिया, फेस प्रथम, जालोर। फोन: 226422, 226423, फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908